राज कॉमिक्स विशेषांक

संख्या 0006

गगन

मौत का तमाशा

मौत का तमाशा

चित्रांकन: जगदीश पंकज | कथानक: एस.सी. बेदी | सम्पादक: मनीष चन्द्र गुप्त

शुक्र ग्रह से स्कयान धरती पर आकर उतरा -

गगन। यही है तुम्हारी धरती, जिसे यहां के लोग भारत कहते हैं।

इस धरती पर तुमने जन्म लिया था। यही तुम्हारा देश है।

यहीं से हम तुम्हें उठा कर ले गए थे। जब तुम छोटे बच्चे थे।

अपनी जन्मभूमि की हवा में सांस लेते हुए मुझे अद्‌भुत खुशी की अनुभूति हो रही है।

ऐसा होता है। हमारी प्रार्थना है, तुम यहां खुश रहो। अलविदा गगन!

हम शुक्र ग्रह वापस जा रहे हैं। गगन अलविदा।

अलविदा मित्रो!

और फिर वह यान वापस अपने ग्रह की ओर उड़ चला

मेरे मां-बाप कौन हैं? मैं किस परिवार से हूं? मुझे कुछ भी तो नहीं मालूम। इतने बड़े भारत में मैं उन्हें कहां व कैसे तलाश करूंगा?

अगर वह नहीं भी मिले तो कोई बात नहीं। मैं अपनी प्यारी जन्मभूमि पर तो आ ही गया हूं।

इस रेलगाड़ी पर बैठ जाता हूं। कहीं न कहीं तो पहुंचाएगी।

यह सोच...

गगन ने छलांग लगाई...

... और-

तभी-

बचाओ..ऽऽ

शायद कोई लड़की संकट में है। उसको बचाना चाहिए।

छोड़ दो, छोड़ दो मुझे।

छोड़ दो इस लड़की को।

कौन हो तुम?

मैं इस लड़की का भाई हूं, गगन!

भैया!

तो लो, भाई बनने का मजा।

तुमने गगन पर हाथ उठाया है। गगन तुम्हारी गर्दन तोड़ देगा।

अपने हाथ ऊपर उठा लो, वरना गोली मार दूंगा।

लेकिन तब तक गगन गंजे बदमाश की गर्दन तोड़ चुका था। साथ ही -

गगन से टक्कर कर तुम अपनी मौत बुला रहे हो।

भाग गया।

भैया, तुमने मेरी जान बचाई, मैं तुम्हारी एहसान मन्द हूं।

अंह बहन पर एहसान नहीं किया करता पगली! कौन थे ये लोग?

टोमागो के आदमी, जो बहुत भयंकर अपराधी है। यहां से थोड़ी दूरी पर ही उसका अड्डा है।

तुम्हारा नाम क्या है?

रजनी! मेरे पापा प्रोफेसर किशनलाल टोमागो की कैद में हैं। मैं आज किसी तरह उस की कैद से भाग निकली थी।

टोमागो ने तुम लोगों का अपहरण क्यों व कैसे किया?

कल रात मैं सोने की कोशिश कर रही थी। साथ वाले कमरे में पापा सोते हैं। उनके कमरे में कुछ आवाजें उभरी तो मैं चौंकी...

...मैंने दरवाजे से झांक कर देखा। वे चार व्यक्ति थे...

प्रोफेसर! हम आपको लेने आए हैं।

लेकिन तुम लोग हो कौन?

डॉ. टोमागो के साथी। उन्हें आपकी सख्त जरूरत है।

तुम लोग मेरा अपहरण करने आए हो, लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।

...पापा रिवाल्वर वाले से लिपट गए...

...लेकिन तभी दूसरे बदमाश ने पीछे से उनके सिर पर रिवाल्वर के हत्थे से वार किया-

आ... ह...

...मैं चिल्ला उठी...

बचाओऽऽ बचाओऽऽ

यह तो प्रोफेसर की बेटी रजनी है।

इसने हमें देख लिया है। इसे भी साथ ले चलो।

तीसरे बदमाश ने मुझे जैसे ही पकड़ा, मैं भय के कारण बेहोश हो गई।

फिर क्या हुआ?

जब मेरी बेहोशी टूटी तो...

मैंने पापा के साथ खुद को डॉ. टोमागो के सामने पाया...

प्रोफेसर! तुम होश में आ गए, अच्छा हुआ। तुमसे जरूरी बात करनी थी।

लेकिन तुम रजनी को यहां क्यों लाए हो?

रजनी शोर मचा रही थी। इस लिए मेरे साथी इसे भी यहां ले आए हैं।

क्या चाहते हो मुझसे?

यूं तो टोमागो खुद एक वैज्ञानिक है, लेकिन बिना आपके सहयोग के हम शक्तिशाली नहीं बन सकते।

मैं समझा नहीं।

आपके आविष्कारों द्वारा शक्तिशाली बन कर हम सारी दुनिया को अपने कदमों में झुकाना चाहते हैं।

मैं मर जाऊंगा टोमागो, लेकिन तुम्हारे नीच कार्य में भागीदार नहीं बनूंगा।

मुझे कोई जल्दी नहीं है। एक दिन के बाद भी अगर तुम तैयार न हुए तो तुम्हारी बेटी को हमारी यातना का शिकार होना पड़ेगा।

पापा अपनी बेटी को मानवता पर कुर्बान कर देंगे, लेकिन तुम्हें कभी भी सहयोग नहीं देंगे।

इन्हें ले जाकर बन्द कर दो। कल इनको निपटेंगे।

...फिर पापा व मुझे अलग-अलग कमरों में रखवा गया था। पहरेदार को बेहोश करके मैं वहां से भाग निकली। उसके बाद क्या हुआ, तुम्हें मालूम ही है।

इसका मतलब है कि मेरी जन्मभूमि भारत के लिए वह रक्तरा है।

हां।

तब तो तुम्हारे पापा को स्वतंत्र कराने के साथ-साथ टैमागो को समाप्त करना भी जरूरी है।

लेकिन तुम अकेले... वह बहुत खतरनाक अपराधी है गगन!

मुझे गगन कहते हैं रजनी! टैमागो जैसे अपराधियों के लिए गगन अकेला ही काफी है।

मेरी शक्ति से अभी तुम अनजान हो। टोमागो के अड्डे पर पहुंच कर मैं तुम्हें अपनी शक्ति का दिखाऊंगा।

चलो। आपकी शक्ति भी देख लेती हूं।

और फिर दोनों टोमागो के अड्डे की ओर चल पड़े।

उधर टोमागो के बैठकखाने में—

महामहिम! रजनी पहरेदार को बेहोश करके भाग गई है।

अगर वह जिन्दा यहां से निकल गई तो हमारे लिए बहुत बुरा होगा। जाओ, उसे पकड़ो।

तभी एक अन्य पहरेदार अंदर प्रविष्ट हुआ—

महामहिम! रजनी को मैंने व सतीश ने पकड़ लिया था, लेकिन गगन नाम के एक नौजवान ने उसे छुड़ा लिया। सतीश मारा गया और मुझे आना पड़ा।

तुम क्या कह रहे हो?

दोनों को पकड़ कर लाओ। हम भी देखना चाहते हैं वे गगन कौन है?

यह रहे दोनों। गिरफ्तार कर लो।

और फिर –

तुम दोनों घिर चुके हो। अपने आपको हमारे हवाले कर दो, वरना गोलियों से छलनी कर दिया जायेगा।

गगन! फिर फंस गया।

चिन्ता मत करो, ख़ामोशी से आत्मसमर्पण कर देंगे।

दो रक्षक गगन व रजनी की तरफ बढ़े ही थे कि –

गा... ह...!

अब तुम दोनों की बारी है।

मेरी गर्दन तोड़नी है।

गड़ाक

आह

मुझे मत मारो गगन, क्षमा कर दो।

तुम भारत व मानवता के दुश्मन हो। तुम्हें क्षमा नहीं किया जा सकता।

सचमुच,तुम शक्तिशाली हो गगन!

यह तो मेरे लिए मच्छर थे। असली टक्कर टोमागो से होगी।मुझे वहीं ले चलो।

रजनी गगन को टोमागो के अड्डे पर ले आई

गगन, यहीं पर टोमागो मानवता को कत्ल करने के लिए भयंकर योजना बना रहा है।

अब गगन आ गया है उसकी मौत बन कर।वह मानवता को कत्ल नहीं कर सकेगा।

लेकिन एक बात बताओ... क्या भारत में अपराधियों को खत्म करने के लिए जासूस व पुलिस नहीं है?

क्यों नहीं, भारत में जासूस भी हैं और पुलिस भी है। वह लोग अवश्य टोमागो को खत्म कर रहे होंगे।

गुप्तचर विभाग के ऑफिस में-

तहिरा,टोमागो अब तक हमारे देश के तीन वैज्ञानिकों का अपहरण कर चुका है,जिससे देश को भारी नुकसान पहुंच चुका है। अब उसे पकड़ना बहुत आवश्यक हो गया है।

मैं जानती हूं सर!

... इनलिन्स हमारे एजेण्ट सारे वैज्ञानिकों की निगरानी कर रहे हैं। दो-तीन दिनों में हम अवश्य उस तक पहुंच जायेंगे।

मैं भी यही चाहता हूं।

मैं खुद प्रोफेसर रहमान की निगरानी कर रही हूं।

ठीक है। जाओ अपना काम करो।

एक काली कार प्रो. रहमान के बंगले के सामने आकर रुकी –

सेक्सी पोशाक टोमाटो के साथी ही पहनते हैं। मुझे इनका इंतजार करना होगा।

कार से उतरने वाले दोनों बदमाश –

धीरे से कूदना, आहट न हो।

थोड़ी देर बाद –

अब मुझे डिक्की में कूद जाना चाहिए।

शीघ्र ही कार दौड़ने लगी।

शायद इस तरह से दोमागो के अड्डे तक पहुंच जाऊं।

कार अड्डे के सामने जाकर रुकी-

प्रो. रहमान को उठा कर अंदर ले चलो।

मुझे इसी समय डिक्की से बाहर निकल कर कुप जाना चाहिए।

बाहर आकर-

मुझे इस अड्डे के बारे में ट्रांसमीटर द्वारा चीफ को सूचित करना चाहिए।

तभी दो व्यक्तियों ने आकर तहिरा को घेर लिया।

अपने हाथ ऊपर उठा लो मिस।

कैसा क्यों कह रहे हो? मैं तो तुम्हारी साथी हूं।

गुप्तचर विभाग की नम्बर एक एजेण्ट मिस तहिरा को अपराध जगत में कौन नहीं जानता? धोखा नहीं चलेगा मिस!

घूंसा व ठोकर तो चलेगी।

अ...आ...

धफ़्फ़

यह दोनों दो घण्टे से पहले होश में आने वाले नहीं। अब चीफ को ट्रांसमीटर द्वारा सूचित करने की कोशिश करती हूं।

अ..अ..आ...

ताहिरा बेहोश हो गई।

जासूस ताहिरा को महामहिम के पास ले जाता हूं, वे खुश हो जायेंगे।

गगन व रजनी जैसे ही इमारत के बरामदे में पहुंचे-

तुम दोनों अपने हाथ ऊपर उठा लो, वरना गोलियों से छलनी कर दिये जाओगे।

गगन, फिर हैरत लिए गए।

कोई बात नहीं। अब हम दोनों गगन से मिलेंगे।

चलो।

पृथ्वी के खतरनाक अपराधी से मिलने का मजा भी ले लेते हैं।

टोमागो के सभाकक्ष में-

महामहिम! दोनों कैदी हाज़िर हैं।

रजनी। जो एक बार हमारी कैद में आ जाता है, वह भाग नहीं सकता।

तुम कौन हो?

गगन। रजनी का भाई ...।

लेकिन रजनी का तो कोई भाई नहीं था।

अबलाओं के लिए ईश्वर भाई भेज दिया करता है।

हमें मालूम है कि तुमने हमारे कुछ साथियों को खत्म कर दिया है।

गगन मानवता के दुश्मनों का दुश्मन है।

तुम्हारी बहादुरी व निडरता हमें पसन्द आई। ऐसे लोगों की हम इज्जत करते हैं...

...अगर तुम हमारे आदेशानुसार चलोगे तो हम तुम्हारी जान बख्श देंगे।

गगन तुम जैसे अपराधियों का आदेश नहीं माना करता।

हमें आदेश मनवाना आता है ले जाओ इन्हें और मो. किशनलाल के साथ बन्द कर दो।

चलो।

हां! हाथ ऊपर उठा कर।

तुमने टेमागो के सामने अपने हाथ नहीं दिखाये?

तुम्हारे पापा से मिलने के बाद टेमागो का टमाटर बनाऊंगा।

रजनी, तुम! यह लड़का कौन है?

गगन, रजनी का भाई, इसलिए आप मुझे अपना बेटा कह सकते हैं।

मैं सच्चा नहीं

पापा! मैं टोमागो के अड्डे से भाग निकली थी, लेकिन दो बदमाशों ने मुझे रास्ते में पकड़ लिया...

...गगन भैया ने वहां पहुंच कर मेरी रक्षा की। टोमागो के कुछ साथियों को भी मार डाला।

गगन भी उनके पास बैठ गया।

लेकिन तुम लोग फिर यहां कैसे फंस गए?

आपको कुड़ाने आए हैं अंकल, वरना अब तक तो हम टोमागो का रसोइया बना चुके होते।

पापा! गगन भैया सचमुच बहुत ताकतवर हैं।

भारत मेरी जन्मभूमि है। मैं भारत का बेटा हूं।

लेकिन बेटे, तुम हो कौन?

तुम रहते कहां हो, तुम्हारे मां-बाप कौन हैं?

मैं शुक्रग्रह में रहता था। मेरे मां-बाप कौन है, मैं नहीं जानता।

यानी तुम शुक्रग्रह से यहां आए हो?

सुन कर मुझे आश्चर्य हो रहा है।

लेकिन यह आश्चर्य की बात नहीं है अंकल! वहां के निवासी विज्ञान में बहुत एडवांस हो चुके हैं। थोड़ी देर पहले शुक्रग्रह के मानव ही मुझे धरती पर छोड़ गए हैं।

लेकिन तुम वहां पहुंचे कैसे?

शुक्रग्रह का राजा मुझे बहुत प्यार करता था। अपने बेटे की तरह मानता था। हम साथ खाना खाते थे।

उसी ने मुझे बताया था कि मैं उसे जंगल में रोता हुआ मिला था। उस समय मेरी उम्र दो महीने की रही...

उंआ... उंआ...

शुक्र ग्रह का यान उसी जगह उतरा था...

हमें परीक्षण के लिए पृथ्वी का कोई मानव चाहिए था। यह पृथ्वी का ही बच्चा है।

तो इसी को साथ ले चलते हैं महाराज!

हमा...ऊ...आ...

बहुत प्यारा बच्चा है। इस पर परीक्षण करने के साथ-साथ हम इसे अपने बच्चे की तरह पालेंगे।

मेरा ख्याल रखने के लिए एक दाई का भी प्रबन्ध कर दिया गया...

महाराज, ये बहुत शैतान हो गया है।

लो, शैतानी तो बच्चे कर दी मुझपर सू-सू करके।

फिर मुझ पर वैज्ञानिक परीक्षण किए गए...

इस बीच राजा साहब ने मेरा नाम गगन रख दिया था। और मेरी उम्र दस साल की हो गई थी...

अब बाहर आ जाओ गगन।

...जब मैं जवान हुआ तो मुझे पता लगा कि मैं पृथ्वी का प्राणी हूं...

महाराज! नौजवान गगन का हमने अन्तिम परीक्षण किया है।

कोई खास अन्तर नजर आया?

नहीं। पृथ्वी व शुक्रग्रह के प्राणी में कोई अन्तर नहीं है।

तब तो पृथ्वी पर भी हम शुक्रग्रह की तरह स्वतंत्रता से विचरण कर सकते हैं।

महाराज। क्या मैं शुक्रग्रह का प्राणी नहीं हूं?

तुम जिस ग्रह के भी प्राणी क्यों न हो, लेकिन हमारे बेटे के समान हो।

समझ तू ! सगा बेटा नहीं ?

लेकिन हमने तुम्हें सगे बेटे जैसा ही प्यार दिया है। क्यों नोलान ?

आप ठीक कह रहे हैं महाराज।

क्या मैं जान सकता हूं कि मैं शुक्रताल कैसे पहुंचा, मेरे मां-बाप कौन हैं ?

तुम उस समय दो महीने के बच्चे थे, जब हमने तुम्हें पृथ्वी के एक देश भारत के जंगल में पड़े पाया था। तुम्हारे मां-बाप का हमें कोई पता नहीं।

इसके बाद मैं हमेशा अपनी जन्मभूमि भारत के बारे में सोचता रहता। यहां आने के लिए मैं तड़पने लगा था।

फिर तुम यहां कैसे पहुंचे ?

एक दिन -

महाराज! मैं अपनी जन्मभूमि भारत जाना चाहता हूं।

यह तुम्हारा अन्तिम फैसला है ?

जी हां, मैं अपनी जन्मभूमि के दर्शन के लिए तड़प रहा हूं।

ठीक है। हम तुम्हें कल ही भारत भेज देंगे। जब भी तुम यहां वापस आना चाहोगे, हम ले आयेंगे।

डेकोन! तुम अंतरिक्ष यान द्वारा गगन को उसी जंगल में छोड़ आओ, जहां से हम उसे बच्चे के रूप में उठा कर लाए थे।

जैसी महामहिम की आज्ञा

शीघ्र ही -

गगन! कल दिन के समय हम पृथ्वी पर पहुंच जायेंगे, लेकिन एक बात तुम्हें बता दूं।

क्या?

तुम्हारे जिस्म पर तरह-तरह के परीक्षण किए गए हैं, जिसके कारण तुम्हारे अन्दर अनंत ताकत आ चुकी है। मुसीबत के समय तुम उसका प्रयोग करना।

बताने का धन्यवाद। वैसे मुझे इसकी जानकारी है।

दूसरे दिन -

डेकोन! थोड़ी देर बाद हम पृथ्वी पर उतरने वाले हैं।

...इस तरह मुझे पृथ्वी पर उतारने के बाद वह लोग वापिस चले गए।

तुम्हारी कहानी दिलचस्प है। अब सो जाओ, बाकी बातें सुबह सोचेंगे।

मैं भी थका हूं। टोमागो से निपटने के लिए थोड़ा आराम करना जरूरी है।

उधर टोमागो के भभाकक्ष में जब ताहिरा को होश आया-

ताहिरा! सीक्रेट एजेन्ट 004, हमारी कैद में आज कितनी बेबस है।

ताहिरा कभी बेबस नहीं हुई टोमागो। मैं खुद तुम्हारा मनहूस चेहरा देखने यहां चली आई।

अपनी इच्छा से आई हो? यह तो खुशी की बात है। यह खुशी उस समय और भी बढ़ जायेगी, जब तुम हमारी रानी बनोगी।

तुम हमारे देश के दुश्मन हो, ऐसे अपराधियों को ताहिरा मिट्टी में मिला दिया करती है, उनकी रानी नहीं बनती।

टोमागो ने ताहिरा को कलाई पकड़ ली।

लेकिन टोमागो से टकराना आसान नहीं है। टोमागो महान है... महा शक्तिशाली। तुम्हें हमारी पूजा करनी चाहिए।

तोहिरा ने उसे एक थप्पड़ जड़ दिया।

यह मेरी कलाई पकड़ने का इनाम।

यू डर्टी गर्ल। ले जाओ इसे, कमरे में बन्द कर दो। अपने आप होश ठिकाने आ जायेंगे।

चलो।

कमबख्तों ने रिवाल्वर के साथ-साथ ट्रान्समीटर भी जेब से निकाल लिया है। चीफ को सूचित भी नहीं कर सकती। खैर, कोई बात नहीं। टोमागो की मौत मेरे हाथों ही होगी।

अगली सुबह टोमागो के सभा कक्ष में –

रहीम! प्रोफेसर रहमान, प्रोफेसर किशनलाल व उनकी बेटी रजनी को यहां लेकर आओ।

जो आज्ञा महामहिम।

प्रोफेसर रहमान के कमरे में –

प्रोफेसर, महामहिम टोमागो आपको याद कर रहे हैं।

मैं खुद उनसे मिलना चाहता हूं। चलो।

प्रोफेसर किशनलाल के कमरे में –

अंकल! हमने नाश्ता कर लिया है। अब हमें टोमागो को तबाह करके यहां से निकलने की कार्यवाही आरम्भ करनी चाहिए।

प्रोफेसर, आपको व रजनी को महामहिम टोमागो ने याद किया है। हमारे साथ चलिए।

क्या गगन को याद करते हुए उसकी नानी मरती है?

बहुत चहक रहे हो। जल्दी ही यह चहकना बन्द हो जाएगा।

गगन हमेशा खुद चहका है और उसने दूसरों का चहकना बन्द किया है। अंकल, आप लोग इनके साथ जाइए। चिन्ता मत करियेगा।

गगन ने अवश्य मन ही मन कोई योजना बनाई है, टोमागो को खत्म करने की।

टोमागो के सभाकक्ष में-

आइए प्रो. किशनलाल जी! हम आपका ही इंतजार कर रहे थे। आपको एक खबर दे दूं, प्रो. रहमान भी हमारे लिए काम करने के लिए तैयार नहीं।

हमारे जैसे देशभक्त लोग अपनी जान दे देंगे, लेकिन तुम्हारे जैसे नीच आदमी के लिए काम नहीं करेंगे।

आपने ठीक कहा किशनलाल जी!

लेकिन आप लोग मेरे लिए काम करेंगे, वरना रजनी को कोड़े से मार-मार कर खत्म कर दिया जाएगा।

पापा! मुझे देश पर कुर्बान हो जाने दीजिए, लेकिन आप लोग इस नीच की बात कभी नहीं मानिएगा।

बेटी!

करना आसान है, लेकिन जब कोड़े से तुम्हारी खाल खींची जाएगी तो तुम दर्द से बिलबिला उठोगी। तुम्हारे पापा व अंकल शायद तुम्हें दर्द से तड़पता न देख सकें।

नीच इन्सान, तू चाहे कोड़े मार-मार कर मेरे प्राण ले ले, लेकिन पापा व अंकल तेरे नीच काम में साथ नहीं देंगे।

तो आज ऐसा ही होगा। टाईगर!

हुक्म मेरे आका।

रजनी को तब तक कोड़े मारो, जब तक इसके जिस्म की सारी खाल खिंच नहीं जाती।

खुदा को याद कर ले लड़की। टाईगर की मार के बाद आज तक कोई जिन्दा नहीं बच सका।

रक्षा करना मेरे भगवान्।

सड़ाक

हा... हा... हा... हा... हा...

भगवान्! मुझे पीड़ा सहने की शक्ति देना।

उधर गगन के कमरे में-

दरवाजा खोलो... सांप... सांप... काट लिया... मर गया।

ठहरो, खोलता हूं।

गगन! क्या मर गया?

बेटे, गगन इतनी आसानी से मरने वाला नहीं।

रक्षक का सिर फर्श से टकरा कर फट गया और वह बेहोश हो गया।

अब मुझे बाहर की खबर लेनी चाहिए।

रक्षक के यहां होने का मतलब है इस कमरे में भी कोई है।

तू भी अपने साथी के पास जाकर अपने देख। मैं कमरे के अन्दर जाकर देखता हूं, कौन कैद है?

गगन स्टेनगन उठाकर दरवाजा खोलने के बाद कमरे में प्रविष्ट हुआ।

कौन हो तुम?

गगन कहते हैं मुझको! माजवत्ता व भारत के दुश्मनों का दुश्मन। प्रो. किशन लाल की बेटी का भाई। टैम्मी ने तुम्हें यहां ढूंढ निकाला है।

मुझे ताहिरा कहते हैं। कुछ लोग गुप्तचर विभाग की सीक्रेट एजेन्ट 004 भी कहते हैं।

तो तुम जासूस हो?

हां। टैमागो ने भारत के कई वैज्ञानिकों का अपहरण करके भारत को नुकसान पहुंचाया है। मैं इसे उसे तबाह करने आई थी, लेकिन पकड़ी गई।

चिन्ता मत करो। अब हम दोनों मिलकर उसका एक बटा दो बना देंगे।

एक बटा दो क्या होता है?

टैमागो को आधा तुम और आधा मैं तबाह करेंगे, यानी एक का आधा एक बटा दो।

ठीक है, चलो।

टैमागो के सभाकक्ष में-

उफ! अब नहीं देखा जाता।

मुझे आश्चर्य है! रजनी के मुख से एक कराह भी नहीं निकली।

बहुत मजबूत दिल की लड़की है।

प्रोफेसर किशन। अब भी मान जाओ, वरना अपनी बेटी से हाथ धो बैठोगे।

नहीं, तुम मेरी बेटी को नहीं मार सकते। मैं तुम्हारे लिए काम करने के लिए तैयार हूं।

पापा! ऐसा मत कहो। मुझे देश के लिए मर जाने दो।

तुम्हारा दुख हम से देखा नहीं जाता बेटी! अपना मन मार कर हमें देश से गद्दारी करनी ही पड़ेगी।

बोलो! बताओ, हमें क्या करना होगा?

तुम लोगों को मेरे लिए नये-नये आविष्कार करने होंगे, ताकि हमारी शक्ति का दुनिया में कोई मुकाबला न कर सके...

...सारी दुनिया हमारे कदमों पर सर झुकाये।

ठीक है। हम तुम्हारे लिए काम करेंगे, लेकिन हमारी बेटी को कोई तकलीफ नहीं होनी चाहिये।

तड़ तड़ तड़ तड़

चिन्ता मत करो। उन्हें वहां हर तरह का आराम मिलेगा। अरे... यह फायरिंग कैसी हो रही है? देख कर आओ, क्या बात है?

जो आज्ञा महामहिम।

उधर –

तौहिरा ! स्टेनगन तुम रख लो। मुसीबत के समय काम आयेगी।

और तुम क्या रखोगे?

गगन बिना हथियार के ही तुम्हें तमाशा दिखायेगा।

तुम लोग इस तरह भाग नहीं सकते। अपने हाथ ऊपर उठा लो।

यमदूत ने तुम दोनों की मौत पर हस्ताक्षर कर दिये हैं, इसलिए हम दोनों तुम्हें तलाश करने निकले थे।

अब हमें टेमागो के पास पहुंचना है। रजनी व किशन अंकल को उसी के पास ले जाया गया है।

धांय धांय

इसने हमारे कई साथियों को समाप्त कर दिया है। इसे खत्म करना होगा।

मेरे रिवाल्वर की गोली उसका काम तमाम करेगी।

आ..

मर गया...

धांय धांय धांय

हाय...

नड़ नड़ नड़ नड़

गगन, तीनों में से कोई भी जिन्दा नहीं बचेगा।

टोमागो को तबाह करने के लिए मालूम नहीं अभी कितनी और लाशें बिछानी होंगी।

मानवता व भारत की रक्षा के लिए चाहे हमें सैकड़ों लाशें क्यों न बिछानी पड़ें हम पीछे नहीं हटेंगे।

तुम ठीक कहती हो, लेकिन टोमागो के सभा-कक्ष तक हम अभी तक नहीं पहुंच सके।

फिर जैसे ही वे एक कमरे में प्रविष्ट हुए-

गगन, बचो।

तुम दोनों की मौत मेरे हाथों से लिखी है। बहुत हंगामा मचा चुके तुम लोग।

मरोगे तुम प्यारे, हम नहीं।

आ.. ह...

क्रीम की टांगों में दो गोलियां लगीं।

महामहिम तक शायद ही जीवित पहुंच सकूं।

रास्ते में उसे अपने कुछ साथी मिले—

क्या हुआ रहीम?

तुम्हारे तो खून निकल रहा है।

गगन व ताहिरा ने यह हालत कर दी है। तुम लोग उनसे निपटो, मैं महामहिम के पास जा रहा हूं।

गगन व ताहिरा से भिड़े, पांचों रक्षक उन पर टूट पड़े—

अब तुम नहीं बच सकते गगन!

ऐसा जासूस, तुम्हारी भी मौत आ गई है।

पांच लाशें और बिछानी पड़ेंगी।

गगन को तुम लोग क्या मारोगे, गगन के लिए तुम अभी बच्चे हो।

इसमें तो लगी है सी.आई.ए.

गगन, खत्म कर दो इन्हें।

तुम दे नो अब कभी नहीं रह सकोगे।

अ...आ... ई...।

अ... आ...

उन तीनों को शायद जल कर मरजाना था।

खतरा अभी भी मंडरा रहा है गगन। टोमाटो को खत्म करने के बाद ही खतरा टलेगा।

चलो, अब उससे निपटते हैं।

रहीम सलाखों से पहुंचा—

रहीम! तुम्हारी यह हालत?

महामहिम। मैं बचूंगा नहीं, लेकिन गगन व ताहिरा को रोकिये। वह हमारे साथियों को मारते हुये इसी तरफ बढते आ रहे हैं।

इतना कहकर...

रहीम मर गया।

टाईगर। जैसे ही गगन व ताहिरा अन्दर प्रविष्ट हों, तुम्हें गगन को समाप्त कर देना है। ताहिरा को हम अपनी रानी बनायेंगे।

जो हुक्म महामहिम!

पापा। गगन आ रहा है। अब टोमानो नहीं बचेगा।

भगवान करे ऐसा ही हो।

गगन व ताहिरा सभा-कक्ष में प्रविष्ट हुए–

आओ-आओ, हमें तुम्हीं दोनों का इंतजार था। ताहिरा प्रोफेसर को जिन्दा देखना चाहती हो तो स्टेनगन फेंक दो।

फेंक दो ताहिरा!

तब भी तुम बचोगे नहीं टोमागो!

बहन, तुम्हारी यह हालत कैसे हुई?

टोमागो के आदेश पर टाईगर के कीड़े बरसे थे। भैया, अपनी बहन के अपमान का बदला अब तुम्हें लेना है।

हम ऐसा बदला लेंगे कि टोमागो की रूह भी कांप उठेगी।

टाईगर ने गगन पर कोड़ा चलाया–

टकले! तूने मेरी बहन को तकलीफ पहुंचाई है। इसकी सजा तुम्हें अवश्य मिलेगी।

सटाक

तू जिन्दा बचेगा तब न।

गगन ने कीड़े को जोर से झटका दिया तो–

गुफ!

फिर गगन ने टाइगर को दोनों हाथों पर उठा लिया...।

...और फिर फर्श पर पटक दिया।

टाइगर की मौत के बाद—

भून दो गोलियों से इस चूहे की औलाद को।

मैं इसका मौका नहीं आने दूंगी।

पहले ये चमचे खुद तो अपनी जान बचा लें।

अ...आं...

अ...आ... ई...

तुम दोनों मेरे शिकार हो।

तुम्हारा खेल खत्म हो गया है टोमागो। अब मरने की बारी तुम्हारी है।

टोमागो पर तुम्हारी गोलियों का कोई असर नहीं होगा।

कहकर टोमागो ने उछाल भरी और –

गगन। तुम्हारे कारण आज हमारी हार हुई। कल तुम मरोगे।

लेकिन शायद कल आये ही न। यह इमारत आज ही तुम सब की समाधि बन जायेगी

आप सब लोग इमारत से दूर निकल जाने की कोशिश करिये। मैं व ताहिरा टोमागो को देखते हैं। शायद वह इमारत को उड़ा दे।

इमारत के पिछली तरफ–

ठीक समय पर बाहर निकल आये, वरना मारे जाते।

लेकिन टोमागो कहीं दिखाई नहीं दे रहा।

धड़ाम

धड़ाम

गगन ने ठीक कहा था, अगर हम अंदर होते तो मलबे में दब जाते।

शायद वह भागने में सफल हो गया है।

जब भी वह मुझे मिलेगा, मैं उसे जिन्दा नहीं छोड़ूंगा।

चलो।

आओ, अब रजनी व प्रोफेसर अंकल की भी खबर लें।

इमारत के सामने वाले हिस्से में वह लोग उन्हें मिल गए।

गगन! टोमागो मिला?

नहीं, भाग गया! ऐसे अपराधी कायर ही होते हैं।

अब तुम कहां जाओगे?

सुना है, भारत बहुत विशाल है। कहीं तो सिर छुपाने की जगह मिल ही जायेगी।

ऐसी बात की तो सख्त थप्पड़ पड़ेगा। अब तुम हमारे घर में रहोगे। क्यों पापा?

हां गगन। तुमने खुद ही कहा था कि मैं आपके बेटे के समान हूं। फिर ऐसा क्यों सोचते हो? तुम हमारे साथ रहोगे।